085/X/SA2/04/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : 3 घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उस पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

सभ्यता के आदिकाल में जब मानव शिकार द्वारा और अन्य किसी भी प्रकार से भोजन प्राप्त करता था, तब वह पूर्णत: वनों पर आश्रित था। दीर्घकाल तक वन ही उसकी मुख्य आवश्यकताओं, जैसे खाने के लिए फल, पहनने के लिए वल्कल, छाल, चमड़ा आदि तथा पशुओं के लिए चारे की पूर्ति करते रहे। कृषि विकास के साथ वनों का ह्रास आरंभ हुआ।

विश्व के अन्य देशों की अपेक्षा भारत में वनों के प्रति अधिक उपेक्षा का व्यवहार रहा है और बिना उनका उचित विकास किए उनसे अधिक सामग्री प्राप्त करने की प्रवृत्ति रही है।

विश्व में वनों का क्षेत्रफल कभी कुल भूमि का 40 प्रतिशत था जो कृषि, विस्थापन, औद्योगीकरण और लकड़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति के कारण अब लगभग 30 प्रतिशत रह गया है।

भारत के राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभयारण्यों में वन्य प्राणियों की विविधता है। उनके संरक्षण एवं संख्या वृद्धि के लिए उचित प्रबंध किए जा रहे हैं। अत: वन हमारे लिए अमूल्य निधि हैं। उनके संरक्षण के उपाय हमारे द्वारा अपेक्षित हैं।

(क) मानव पूर्णत: वनों पर आश्रित क्यों था ?
- (i) भोजन, वस्त्र की आवश्यकता वनों से ही पूरी हो सकती थी।
- (ii) भोजन, वस्त्र की आवश्यकता पशुओं से ही पूरी हो सकती थी।
- (iii) भोजन, वस्त्र की आवश्यकता वन में कृषि करने से पूरी हो सकती थी।
- (iv) वह वनों में ही रहता था।

(ख) कृषि विकास के साथ वनों की क्या स्थिति होने लगी ?
- (i) वनों में खेती होने लगी।
- (ii) वनों में आग लगा दी गयी।
- (iii) वनों में रहने वाले पशुओं को मारा जाने लगा।
- (iv) वनों का ह्रास होने लगा।

(ग) भारत में वनों के प्रति लोगों का क्या व्यवहार रहा है ?
- (i) उनका विकास नहीं करने का
- (ii) विकास किए बिना अधिक लाभ पाने का
- (iii) अधिक से अधिक वृक्ष कटवाकर धन कमाने का
- (iv) वृक्ष कटवाकर आबादी बसाने का

(घ) वनों के उचित विकास के अभाव में :
- (i) पशुओं को चारा नहीं मिल रहा है।
- (ii) वन्य प्राणियों की संख्या कम होती जा रही है।
- (iii) खाने के लिए फल नहीं मिल रहे हैं।
- (iv) अधिक उद्योग स्थापित हो रहे हैं।

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा :
- (i) अभयारण्य
- (ii) राष्ट्रीय उद्यान
- (iii) वन-संरक्षण
- (iv) कृषि-विकास

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उस पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनकर लिखिए- **1x5=5**

अनेकता में एकता के लिए भारत प्रसिद्ध है। दूर-दूर तक फैली सीमाओं के बावजूद भारत की एकता बरकरार है। भाषा, धर्मों और रीतिरिवाजों के भेद को आधार मानकर कुछ लोगों ने एकता को खंडित करना चाहा है लेकिन हमारी एकता स्थिर है। हमारी भौगोलिक इकाई हिमालय पर्वत और सागर से है। भारतीय धर्मों में भेद होते हुए भी उनमें सांस्कृतिक एकता है। त्याग, तप एवं मध्यम मार्ग की संयममयी भावना हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख संप्रदायों में समान रूप से विद्यमान है।

प्राचीन काल से भारतीय साहित्य ने राष्ट्रीय एकता का पाठ पढ़ाया। वेशभूषा, रहन सहन और शक्ल-सूरत में भेद होते हुए भी भारतवासी अपने व्यक्तित्व से पहचान लिए जाते हैं। विदेशी प्रभाव पड़ने पर भी भारतीय व्यक्तित्व अक्षुण्ण बना रहा है। यही भारतीय एकता का मूल मंत्र है।

(क) भारत क्यों प्रसिद्ध है?

(i) प्राकृतिक सौंदर्य के लिए (ii) हिमालय पर्वत के लिए

(iii) अनेक भाषाओं के लिए (iv) अनेकता में एकता के लिए

(ख) हमारी एकता को कुछ लोगों ने खंडित करना चाहा :

(i) भाषा के आधार पर

(ii) भाषा, धर्म और रीतिरिवाज के आधार पर

(iii) भिन्न-भिन्न प्रांत होने के आधार पर

(iv) वेशभूषा के आधार पर

(ग) भारत के सभी संप्रदायों में समान है :

(i) खान-पान वेशभूषा (ii) रहन-सहन, शक्ल-सूरत

(iii) संयम की भावना (iv) क्रोध और ईर्ष्या की भावना

(घ) भारतवासियों की पहचान होती है :

(i) शक्ल-सूरत से (ii) पहनावे से

(iii) खान-पान से (iv) व्यक्तित्व से

(ङ) सागर का पर्यायवाची शब्द नहीं है :

(i) जलधि (ii) समुद्र (iii) नग (iv) पयोधि

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनकर लिखिए : **1x5=5**

जैसा यह अटल, अडिग-अविचल, वैसे ही हैं भारतवासी
है अमर हिमालय धरती पर, तो भारतवासी अविनाशी
कोई क्या हमको ललकारे
हम कभी न हिंसा से हारे
दु:ख देकर हमको क्या मारे
गंगा का जल जो भी पी ले,
वह दु:ख में भी मुसकाता है
गिरिराज हिमालय से भारत का कुछ ऐसा ही नाता है

टकराते हैं इससे बादल तो खुद पानी हो जाते हैं
तूफान चले आते हैं तो

ठोकर खाकर सो जाते हैं
जब-जब जनता को विपदा दी
तब-तब निकले लाखों गांधी
तलवारों-सी टूटी आँधी
इसकी परछाइ में तूफान
चिरागों से शरमाता है
गिरिराज हिमालय से भारत का कुछ ऐसा ही नाता है।

(क) हम हिंसा से कभी क्यों नहीं हारे ?

(i) हिंसा का जवाब हिंसा से दिया (ii) अहिंसक बने रहे
(iii) ललकार के भय से छिप गए (iv) हिंसा का सामना नहीं किया

(ख) भारतवासी की तुलना किससे की गई है ?

(i) धरती से (ii) देवताओं से (iii) हिमालय से (iv) समुद्र से

(ग) टकराने पर बादलों की क्या स्थिति होती है ?

(i) बरसकर चले जाते हैं। (ii) घमंड चूर हो जाता है।
(iii) शांत हो जाते हैं। (iv) गरजना बंद हो जाता है।

(घ) 'तूफान ठोकर खाकर सो जाते हैं' - का आशय है :

(i) तूफान बड़े महलों को गिरा देते हैं।
(ii) बड़े-बड़े वृक्ष गिर जाते हैं।
(iii) बड़ी विपत्तियाँ समाप्त हो जाती हैं।
(iv) तूफान उठकर शांत हो जाते हैं।

(ङ) 'दु:ख' शब्द का पर्यायवाची नहीं है :

(i) व्यथा (ii) विषाद (iii) खेद (iv) हास

4. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनकर लिखिए :** **1x5=5**

मैं मजदूर मुझे देवों की बस्ती से क्या ?
अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए।
अंबर पर जितने तारे उतने वर्षों से,
मेरे पुरखों ने धरती का रूप सँवारा।
धरती को सुंदरतम करने की ममता में,
बिता चुका है कई पीढ़ियाँ वंश हमारा।
और अभी आगे आने वाली सदियों में,
मेरे वंशज धरती का उद्धार करेंगे।
इस प्यासी धरती के हित मैं ही लाया था,
हिमगिरि चीर, सुखद गंगा की निर्मल धारा।
मैंने रेगिस्तानों की रेती धो-धो कर
वंध्या धरती पर भी स्वर्णिम पुष्प खिलाए।
मैं मज़दूर मुझे देवों की बस्ती से क्या ?

(क) 'देवों की बस्ती से क्या' का तात्पर्य है :

(i) देवलोक में रहने की इच्छा नहीं

(ii) देवों की आराधना की इच्छा नहीं

(iii) सुख ऐश्वर्य की लालसा नहीं

(iv) पृथ्वी पर श्रम करने की इच्छा नहीं

(ख) 'उतने वर्षों से' आशय है :

(i) सैकड़ों साल से (ii) लाखों साल से (iii) करोड़ों साल से (iv) युगों से

(ग) पूरा काव्यांश किसका कथन है?

(i) कवि का (ii) भारतीयों का (iii) मज़दूर का (iv) पुरखों का

(घ) मज़दूर को देवों की बस्ती स्वर्ग की अभिलाषा क्यों नहीं है?

(i) वह मरना नहीं चाहता

(ii) स्वर्ग में उसका सम्मान नहीं होगा

(iii) वह अपने हाथों स्वर्ग का निर्माण कर सकता है।

(iv) वह स्वर्ग में नहीं रहना चाहता

(ङ) आने वाली शताब्दियों में धरती का उद्धार कौन कर सकते हैं?

(i) नेता (ii) पूँजीपति (iii) इंजीनियर (iv) मज़दूर

खंड 'ख'

5. (i) '<u>सोहन का छोटा भाई विनीत</u> कल यहाँ आया था' वाक्य में रेखांकित पदबंध है : 1

(क) विशेषण (ख) क्रिया (ग) संज्ञा (घ) सर्वनाम

(ii) 'जीवन में पहली बार <u>मैंने</u> यह देखा है' में रेखांकित का पद-परिचय है : 1

(क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) सर्वनाम, प्रथमपुरुष, पुल्लिंग, एकवचन

(ग) सर्वनाम, निश्चयवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन

(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, एकवचन

(iii) 'आयुष सुरभि का चुटकुला सुनकर हँसता रहा।' में क्रिया पदबंध है : 1

(क) सुनकर हँसता रहा

(ख) सुरभि का चुटकुला सुनकर

(ग) हँसता रहा

(घ) चुटकुला सुनकर

(iv) 'वह एक साहसी <u>व्यक्ति</u> है' - में रेखांकित का पद-परिचय है : 1

(क) संज्ञा, भाववाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(ग) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

6. (i) 'देवेन्द्र कुछ सचेत हुआ और घर की तरफ दौड़ा' - रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है : 1

(क) मिश्र (ख) सरल (ग) संयुक्त (घ) संदिग्ध

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है : **1**

(क) भारत एक विशाल जनतंत्र है।

(ख) भारत एक विशाल जनतंत्र है जहाँ विभिन्न विचारों के लोग रहते हैं।

(ग) भारत एक विशाल जनतंत्र है और यहाँ विभिन्न विचारों के लोग रहते हैं।

(घ) भारत एक विशाल जनतंत्र है लेकिन यहाँ विभिन्न विचारों के लोग रहते हैं।

(iii) 'छुट्टी की घंटी बजी। सभी बच्चे घर चल दिए' - इन वाक्यों से बना संयुक्त वाक्य है : **1**

(क) जैसे ही छुट्टी की घंटी बजी वैसे ही बच्चे घर चल दिए।

(ख) ज्यों ही छुट्टी की घंटी बजी सभी बच्चे घर चल दिए।

(ग) छुट्टी की घंटी बजते ही सभी बच्चे घर चल दिए।

(घ) छुट्टी की घंटी बजी और सभी बच्चे घर चल दिए।

(iv) 'जो संसार में जन्म लेता है, वह नाशवान है'- रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है - **1**

(क) सरल (ख) मिश्र (ग) साधारण (घ) संयुक्त

7. (i) 'लंबोदर' का संधि विच्छेद है : **1**

(क) लंब + ओदर (ख) लंबो + दर

(ग) लंबा + उदर (घ) लंब + उदर

(ii) 'अनु + इति' की संधि है : **1**

(क) अन्विति (ख) अनीति (ग) अन्वीती (घ) अनुइति

(iii) 'कार्य-व्यस्त' समस्तपद का विग्रह है : **1**

(क) कार्य से व्यस्त (ख) कार्य के लिए व्यस्त

(ग) कार्य में व्यस्त (घ) कार्य को व्यस्त

(iv) 'नीली जो गाय' का समस्तपद है : **1**

(क) नीलीगाय (ख) नीलगाय (ग) श्यामा गाय (घ) नीली गऊ

8. (i) अशिक्षित व्यक्ति को पढ़ने के लिए कोई ग्रंथ दे दिया जाय, तो उसके लिए .... है। - रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे से कीजिए। **1**

(क) अक्ल चकराना (ख) नाच न आवे आंगन टेढ़ा

(ग) मन चंगा तो कठौती में गंगा (घ) काला अक्षर भैंस बराबर

(ii) उसे तो नौकरी चाहिए थी, जो आपने दे दी। कहा भी है ....। उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। **1**

(क) घर का भेदी लंका ढाहे (ख) काला अक्षर भैंस बराबर

(ग) अंधा क्या चाहे, दो आँखें (घ) खोदा पहाड़ निकली चुहिया

(iii) 'नाकों चने चबाना' मुहावरे का अर्थ है : **1**

(क) पराजित कर देना (ख) अधिक परिश्रम करना

(ग) विद्रोह करना (घ) परेशान कर देना

(iv) 'साँप मरे और लाठी न टूटे' लोकोक्ति का अर्थ है : **1**

(क) बुरे के साथ बुरा फल (ख) करनी और कथनी में अंतर

(ग) किसी असंभव शर्त को रखना (घ) काम बन जाए, नुकसान भी न हो

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : 1

(क) मैंने पढ़ चुका है। (ख) मैंने पढ़ना होगा।

(ग) मैं पढ़ चुका हूँ। (घ) मैं पढ़ चुकना चाहता हूँ।

(ii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : 1

(क) आपको कितने रुपए चाहिएँ? (ख) हमने तुम्हें कहा था।

(ग) यदि प्रयत्न करोगे तो सफल हो जाओगे। (घ) विद्याधन कभी नष्ट नहीं होता।

(iii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : 1

(क) अपने को यह पुस्तक नहीं चाहिए। (ख) मुझे यह पुस्तक नहीं चाहिए।

(ग) मेरे को यह पुस्तक नहीं चाहिए। (घ) हमारे को यह पुस्तक नहीं चाहिए।

(iv) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : 1

(क) मैं आपके साथ ही चलूँगा। (ख) मेरे माता जी आनेवाले हैं।

(ग) मेरा घर यहाँ से दूर है। (घ) तुम रहते कहाँ हो?

खंड 'ग'

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए:

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नये काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(i) किन की राह सुनसान नहीं होनी चाहिए? 1

(क) युद्ध में विजय पाने वालों की

(ख) तीर्थ यात्रा पर जाने वालों की

(ग) बलिदानी देशभक्तों की

(घ) रात में यात्रा करने वालों की

(ii) 'नये काफ़िले सजाने का' क्या तात्पर्य है? 1

(क) नए-नए उत्सव मनाना

(ख) बलिदानियों के नए जत्थे तैयार करना

(ग) घुड़सवारों की नई टोली तैयार करना

(घ) नए सैनिकों को भर्ती करना

(iii) ज़िंदगी मौत से गले क्यों मिल रही है? 1

(क) मृत्यु और जीवन का संघर्ष हो रहा है।

(ख) देश की जीत की खुशी मनाई जा रही है।

(ग) देश की खातिर सैनिकों के जीवन का अंत हो रहा है।

(घ) जीवन ने मृत्यु से सुलह कर ली है।

(iv) सैनिकों ने सिर पर कफ़न बाँधने के लिए क्यों कहा? **1**

(क) सैनिकों से मिलने के लिए

(ख) यात्रियों के साथ जाने के लिए

(ग) उत्सव में शामिल होने के लिए

(घ) देश के लिए मर मिटने की खातिर

(v) काव्यांश में 'विजय' शब्द का पर्यायवाची शब्द क्या है? **1**

(क) कुर्बानी (ख) वतन (ग) जश्न (घ) फ़तह

अथवा

रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,
सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में।
अनाथ कौन है यहाँ? त्रिलोकनाथ साथ हैं,
दयालु दीनबंधु के बड़े विशाल हाथ हैं।
अतीव भाग्यहीन है अधीर भाव जो करे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) भूलकर भी किसके लिए अभिमान नहीं करना चाहिए? **1**

(क) क्षणिक जीवन के लिए

(ख) रूप और सुंदरता के लिए

(ग) धन के लिए

(घ) जवानी के लिए

(ii) संसार में कोई भी अनाथ क्यों नहीं है? **1**

(क) सबके परिवार का मुखिया रक्षक है।

(ख) सबके नाथ ईश्वर हैं।

(ग) सबके माता-पिता हैं।

(घ) सबके पालन-पोषण करने वाले हैं।

(iii) दीनबंधु क्या करते हैं? **1**

(क) किसी संकट में मनुष्य की बुद्धि बदल देते हैं।

(ख) अपने विशाल हाथ से मनुष्य की मदद करते हैं।

(ग) दीनों की मदद नहीं करते हैं।

(घ) दयालु होते हुए भी दया नहीं करते हैं।

(iv) कवि ने भाग्यहीन किसे माना है? **1**

(क) जो दूसरों के बारे में सोचता है।

(ख) जो ईश्वर की कृपा का आकांक्षी है।

(ग) जो दीन दुखियों की मदद करता है।

(घ) जिसमें धैर्य न हो

(v) प्रस्तुत काव्यांश के कवि हैं - **1**

(क) निदा फ़ाज़ली

(ख) रवीन्द्रनाथ टैगोर

(ग) मैथिलीशरण गुप्त

(घ) कैफ़ी आज़मी

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर दीजिए : **2½+2½=5**

(क) सोलोमेन बादशाह कौन थे? उन्हें सबका राजा क्यों कहते थे? 'अब कहाँ दूसरे के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण और जीव-जंतुओं पर क्या असर पड़ा है? 'अब कहाँ दूसरे के दु:ख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर कारण सहित लिखिए।

(ग) 'शुद्ध सोने में तांबे की मिलावट या तांबे में सोना' गांधीजी के आदर्श और व्यवहार के संदर्भ में यह बात किस तरह झलकती है? 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(घ) वज़ीर अली एक जाँबाज सिपाही था। 'कारतूस' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

12. जापानी लोग मानसिक रोगों से पीड़ित क्यों रहते हैं? 'झेन की देन' पाठ के आधार पर लिखिए कि मानसिक तनाव को दूर करने के लिए वहाँ क्या परंपरा है? **5**

अथवा

ख्यूक्रिन का यह कथन कि 'मेरा एक भाई भी पुलिस में है.................।' समाज की किस वास्तविकता की ओर संकेत करता है?

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं। खुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्त्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

(क) व्यवहारवादी लोगों के कार्य करने का क्या तरीका है? स्पष्ट कीजिए। **2**

(ख) 'आदर्शवादी लोग महत्त्व का काम करते हैं।' कैसे? स्पष्ट करके समझाइए। **2**

(ग) व्यवहारवादी लोगों की समाज को क्या देन है? **1**

अथवा

बेचारा समंदर लगातार सिमटता जा रहा था। पहले उसने अपनी फैली हुई टाँगें समेटीं, थोड़ा सिमटकर बैठ गया। फिर जगह कम पड़ी तो उकड़ूँ बैठ गया। फिर खड़ा हो गया। जब खड़े रहने की जगह कम पड़ी तो उसे गुस्सा आ गया। जो जितना बड़ा होता है, उसे उतना ही कम गुस्सा आता है। परंतु आता है तो, रोकना मुश्किल हो जाता है, और यही हुआ, उसने एक रात अपनी लहरों पर दौड़ते हुए तीन जहाजों को, उठाकर बच्चों की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया।

(क) समंदर के लगातार सिमटने का क्या कारण था? स्पष्ट कीजिए। **2**

(ख) समुद्र के गुस्से से क्या हानि हुई? गुस्से के क्या कारण थे? **2**

(ग) बड़ों को गुस्सा कम आता है? इस तथ्य की पुष्टि समुद्र के माध्यम से कैसे होती है? **1**

14. (क) बिहारी कवि ने 'जगत तपोवन सो कियो' - ऐसा क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए। **2**

(ख) 'मनुष्यता' कविता के आधार पर लिखिए कि व्यक्ति को किस प्रकार का जीवन व्यतीत करना चाहिए? **2**

(ग) 'आत्मत्राण' कविता में कवि सहायक के न मिलने पर क्या प्रार्थना करता है? **1**

15. घर में किसी को पढ़ाई में दिलचस्पी नहीं होने पर भी लेखक की पढ़ाई क्यों जारी रही ? 'सपनों के - से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए। 3

अथवा

हेडमास्टर शर्माजी ने प्रीतमचंद को मुअत्तल क्यों कर दिया ? 'सपनों के - से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए।

16. 'मुन्नी बाबू' की किन बातों से टोपी परिचित था। उसने अपने घरवालों को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी ? 2

खंड 'घ'

17. **दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए -** 5

(क) **जीवन में सादगी का महत्त्व :**
- सादगी क्या है ?
- सादगी और उच्च विचार
- सादगी महानता का चिह्न

(ख) **देशाटन :**
- देशाटन का उद्देश्य
- महत्त्व
- राष्ट्र की प्रगति

(ग) **समाचार - पत्र :**
- आधुनिक युग की देन
- विभिन्न प्रकार के समाचार पत्र
- लोकतंत्र का प्राण

18. **पत्र लेखन :** 5

आपके नगर में मच्छरों से होनेवाली बीमारियाँ बढ़ रही है। नगर के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर उनकी रोकथाम के उपाय करने के लिए निवेदन कीजिए।

अथवा

अपने विकास क्षेत्र के पास नया बस-स्टॉप बनवाने का अनुरोध करते हुए परिवहन निगम के प्रबंधक को पत्र लिखें।

- o O o -